महासमाधि स्थल पर आचरण

सभी सहज योगियों से विनम्र विनती है कि इस सृष्टि के सर्वोत्तम तीर्थस्थल की पवित्रता, शांति और गरिमा को बनाये रखने में योगदान दें। हमें सदैव स्मरण रहे कि इस स्थान को स्वयं श्री आदिशक्ति ने अपने साकार स्वरुप के अनंत युगों तक विश्राम के लिए चयन किया है। इ सर्वोत्तम तीर्थस्थल में आकर ध्यान का आनंद प्राप्त करने के लिए और माँ भगवती के आशीर्वाद को प्राप्त करने के लिए तथा दूसरे सहजयोगियों को भी लाभान्वित होने के लिए ह निम्नलिखित आचरण का पालन करना है।

• हम आपस में बिल्कुल बातचीत न करें खासतौर से समाधि स्थल के आसपास।

• हम अपने मोबाइल फोन को साइलेंट मोड में या बन्द रखें।

• समाधि ल के आस पास भोजन इत्यादि का सेवन न करें।

• समाधि स्थल मैं ध्यान में मग्न सहयोगियों को प्रसाद, मिठाई न बांटे।

• निर्मल धाम के बीचे से फूल न तोड़े।

• परम पावन मंदिर गर्भ के अंदर बैठ ध्यान न करें।

• अपने निजी इलेक्ट्रॉनिक यंत्र पर संगीत या प्रवचन बिना हेडफोन के प्रयोग न करें।

• मंत्रोचारण या पाठ इस प्रकार न करें जिससे दूसरे सहजयोगियों के ध्यान में व्याकुलता आये।

• इस बात का खास ध्यान रखें कि शरीर सही तरह से वस्त्रों से ढका हो।

हमें पूर्ण विश्वास है कि आप सहजयोग की मर्यादाओं एवम् शिष्टाचार का पूर्ण रूप पालन करेंगे। हम सब भली भांति ये जानते हैं कि यह स्थान इस धरा पर सर्वोच्च देवी का निवास स्थल है और हम उनकी संतान है और इस धरती पर उनका प्रतिनिधित्व करते हैं। जय श्री माताजी

निर्मल धाम में दर्शन / ध्यान का समय

अप्रैल से सितम्बर प्रातः 5:30 बजे से सायं 9:00 बजे तक
अक्टूबर से मार्च प्रातः 6:00 बजे से सायं 8:30 बजे तक

किसी प्रकार की जानकारी या सुझाव के लिए ई-मेल इस पते पर भेजे delhinirmaldham@gmail.com

प्रबंधन समिति
दि लाईफ ईटरनल ट्रस्ट, दिल्ली